

समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 203/92-सीमा शुल्क सा.का.नि.सं. 536 (अ), तारीख 19 मई, 1992 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के स्पष्टीकरण के खण्ड (iii) में उपखंड (क) के पश्चात् निम्न-लिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु विभिन्न आकार के दूरदर्शन सेटों और विनिर्देशों को एकल निर्यात उत्पाद समझा जाएगा; ” ।

[फा.सं. 605/4/93-डी बी के]  
बी.एल. गुर, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th February, 1993

NO. 9/93-CUSTOMS

G.S.R. 78(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 203/92-Customs GSR No. 536(E), dated the 19th May, 1992, namely :—

In the said notification, in the Explanation, in clause (iii), after sub-clause (a), the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that Television sets of different sizes and specifications shall be deemed to be single export product;”.

[F. No. 605/4/93-DBK]  
B. L. GUR, Under Secy.



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं० 60] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 22, 1993/फाल्गुन 3, 1914  
No. 60] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 22, 1993/PHALGUNA 3, 1914

---

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

---

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1993

सा. का. नि. 79(अ).—राष्ट्रपति द्वारा जारी की गई निम्नलिखित उद्घोषणा  
सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित की जा रही है:—

उद्घोषणा

भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, मैं, शंकर दयाल शर्मा, भारत का राष्ट्रपति, नागालैण्ड राज्य के संबंध में